p>Title: Regarding pilferage of wheat from the godowns of Food Corporation of India in Punjab.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, भारतीय खाद्य निगम के पंजाब स्थित गोदामों से 32 अरब रुपये के गेहूं की चोरी हुई है, यह अत्यधिक गम्भीर मामला है। इस बार जनवरी को गेहूं का स्टाक भारतीय खाद्य निगम पंजाब में 288.30 लाख टन था और फरवरी में यह 213.21 लाख टन रह गया। यह गड़बड़ी पिछले कई वार्ों से चल रही है। मंत्रालय का सतर्कता विभाग भी इस गड़बड़ी को रोकने में नाकामयाब रहा है। हिन्दुस्तान के खाद्य मंत्री ने जो जांच दी है, वह महकमे के वित्तीय सलाहकार मि. मनोरंजन के पास है। इस देश में भूख से लोगों की मौतें होती रहीं और एक तरफ भारतीय खाद्य निगम का जो तौर-तरीका है, इसमें भ्रटाचार और कुप्रबन्धन के अलावा कुछ और नहीं है। आज स्थिति यह हो गई है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली की कोई उपयोगिता नहीं है। भारतीय खाद्य निगम गेहूं संरक्षण मूल्य पर

* Not Recorded.

6.10 रुपये में खरीदता है और वह लगभग नौ रुपये किलो बिकता है। यह बहुत गम्भीर मामला है, 32 अरब रुपये की चोरी हुई है। हमने खाद्य मंत्री को भी नोटिस दी हुई है। इसमें सी.बी.आई. जांच की आवश्यकता है। वहां जो डिपार्टमेंट के अधिकारी हैं, उन्होंने भी सरकार को यह लिखा है कि इसकी जांच होनी चाहिए। इसलिए हमारा आपके माध्यम से विनम्र आग्रह है कि इसकी उच्च स्तरीय जांच हो।

MR. SPEAKER: I am permitting Shri Ram Vilas Paswan to raise the issue concerning the demolition of houses in Tughlaqabad.

श्री मदन लाल खुराना (दिल्ली सदर) : मैं भी इस विाय पर बोलना चाहता हूं।

MR. SPEAKER: You can associate with him.

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैंने आपको कहा है कि 10-15 मिनट के बाद आपको जरूर बोलने की इजाजत दूंगा। देखिये, सब ठीक चल रहा है। एक सदस्य खड़े होते हैं, अपना विाय दो-तीन मिनट में रखते हैं। मैं आपको भी मौका दे दूंगा।